इन्क़िलाबी नज़र
आवाज़ ... आम आदमी की
लखनऊ, शुक्रवार, 30 जनवरी 2026
वर्ष 18 अंक 148 मूल्य 4-00 रुपया पृष्ठ- 12

विश्वास वह पक्षी है जो प्रभात के पूर्व अंधकार में ही प्रकाश का अनुभव करता है और गाने लगता है।
- रवींद्रनाथ ठाकुर

तापमान - अधिकतम 20.9°C (-2.9) न्यूनतम 11.2°C(+2.6) सेंसेक्स 82,566.37 (+221.69) निफ्टी 25,418.90 (+076.15) सोना 1,79,000 चांदी 4,10,000 मुद्रा - डालर 91.92 दिरहम 25.03 रियाल 24.51

शोध और नवाचार का नया केंद्र बन रहा यूपी : पाठक

साइंस एक्सपो

लखनऊ (सं)। उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने कहा कि प्रदेश अब केवल जनसंख्या के लिहाज से नहीं, बल्कि शोध, विज्ञान और नवाचार के क्षेत्र में भी देश का नेतृत्व करने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य में वैज्ञानिक सोच और तकनीकी विकास को लगातार प्रोत्साहित किया जा रहा है, जिसका परिणाम आज राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर दिखाई दे रहा है।

डिप्टी सीएम साइंस एक्सपो-2026 के उदघाटन अवसर पर बोल रहे थे। उन्होंने अपने सम्बोधन में कहा कि लखनऊ के शुभांशु शुक्ला का अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन तक पहुंचने वाले पहले भारतीय बनना प्रदेश की वैज्ञानिक क्षमता और युवाओं की प्रतिभा का प्रमाण है। उन्होंने यह भी बताया कि ब्रह्मोस मिसाइल का निर्माण अब लखनऊ में किया जाएगा, जिससे प्रदेश की रणनीतिक और तकनीकी भूमिका और अधिक मजबूत होगी। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में विधायक डॉ. नीरज बोरा, सीएसआईआर-सीमैप के निदेशक डॉ. प्रभोध कुमार व इसरो टेलीमेट्री, बेंगलुरु की उप निदेशक नंदिनी हरिनाथ उपस्थित रहीं। अतिथियों ने एक्सपो में लगे स्टॉलों का भ्रमण कर वहां प्रदर्शित वैज्ञानिक शोध, तकनीकी नवाचार और रचनात्मक प्रयोगों की सराहना की। साइंस एक्सपो-2026 में एरा विश्वविद्यालय, केजीएमयू, इंटीग्रल यूनिवर्सिटी, जियोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया (जीएसआई), सीएसआईआर-सीमैप, सीएसआईआर-सीडीआरआई, उत्तर प्रदेश गन्ना अनुसंधान संस्थान सहित कई प्रतिष्ठित शैक्षणिक और शोध संस्थानों ने भाग लिया। यह एक्सपो 28 जनवरी से 30 जनवरी 2026 तक आयोजित किया जाएगा, जिसमें शिक्षाविदों, वैज्ञानिकों और नवाचारकर्ताओं को एक साझा मंच मिलेगा। एरा यूनिवर्सिटी का स्टॉल विशेष आकर्षण का केंद्र रहा, जहां स्वास्थ्य सेवाओं, मेडिकल शिक्षा और अत्याधुनिक उपचार तकनीकों का प्रभावशाली प्रदर्शन किया गया। साइंस एक्सपो-2026 उत्तर प्रदेश के उभरते वैज्ञानिक इकोसिस्टम और नवाचार आधारित विकास की दिशा में एक सशक्त पहल के रूप में देखा जा रहा है।